DELHI PUBLIC SCHOOL NEWTOWN
SESSION 2023-24
FINAL EXAMINATION

CLASS: IX **FULL MARKS: 80**
SUBJECT: HINDI [SET A] **TIME: 3 HOURS**

Answers to this paper must be written on the paper separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.

This paper comprises two sections : Section A and Section B. Answer all questions in Section A and any four from Section B.
The intended marks for questions or part of questions are given in the brackets [ ]
This paper consists of seven pages.

SECTION A (40 MARKS)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:-
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :- **[15]**

i) **'कृत्रिम-बुद्धिमत्ता' (Artificial Inteligence) आज के युग की अनिवार्यता बनता जा रहा है। इसके लाभों की चर्चा करते हुए दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डालिए।**

ii) **हमारे माता-पिता हमारी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हर कोशिश करते हैं। लेकिन कभी कुछ ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो जाती हैं, जब वे हमारी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाते। किसी ऐसी घटना के बारे में बताते हुए लिखिए कि उस समय आपकी और उनकी मनोदशा कैसी हो गई थी ? ऐसी परिस्थिति में आपने क्या किया और एक माता- पिता के प्रति हमारे क्या-क्या कर्तव्य हैं ?**

iii) **कुछ समस्याएँ ऐसी होती हैं, जो पूरे समाज को प्रभावित करती हैं और उसे नुक़सान पहुँचाती हैं। इस कथन को ध्यान में रखकर किसी एक ऐसे सामाजिक समस्या का वर्णन कीजिए, जिसने समाज को बुरी तरह प्रभावित किया है और आज भी नुक़सान देह है।**

iv) **इस उक्ति को ध्यान में रखकर एक मौलिक कहानी लिखिए।**
" बिना विचारे जो करे, सो पीछे पछताए"

v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए।

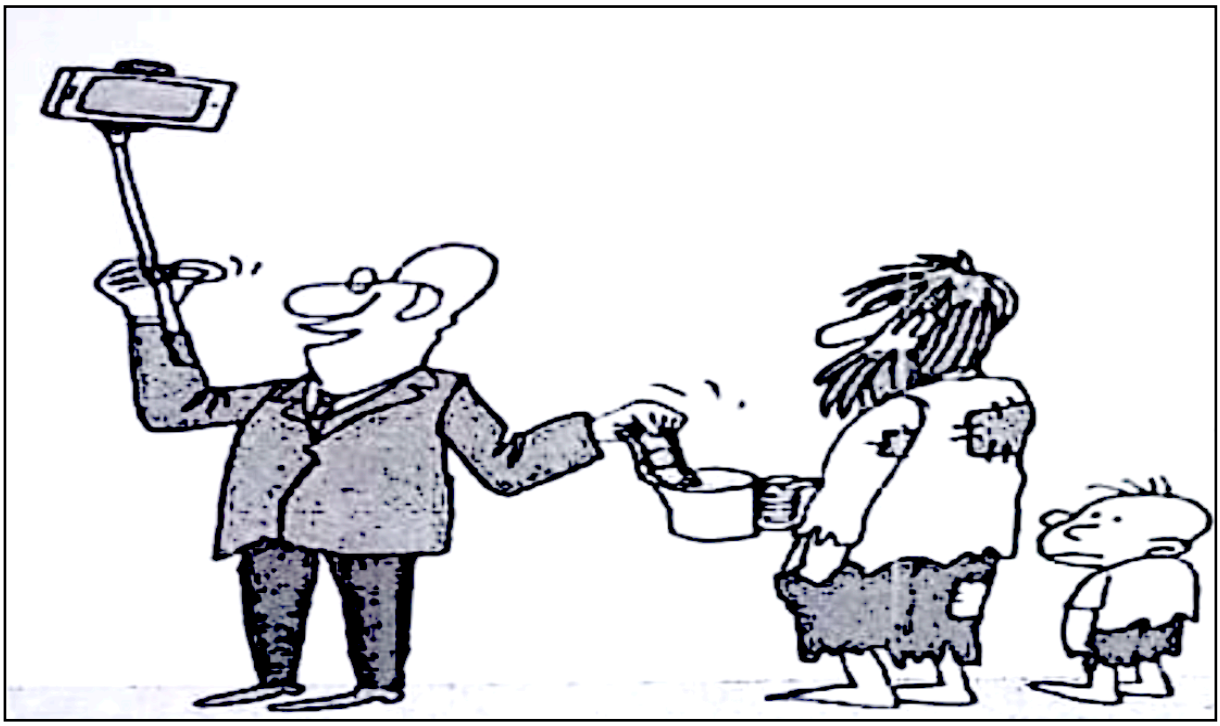

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below:
निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए : [7]

i) अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर उसे 'जंक फूड' से दूर रहने की सलाह देते हुए स्वास्थ्य पर होने वाली किन्ही चार हानियों के बारे में लिखिए।

ii) आपके मोहल्ले में बच्चों के खेलने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। महानगर पालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखकर एक बाल-उद्यान (Children's Park) बनाने की प्रार्थना कीजिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the question that follow, using your own words as far as possible:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए तथा उसके नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखें :

एक बार श्री कृष्ण और अर्जुन भ्रमण करने निकले। उन्होंने मार्ग में एक निर्धन ब्राह्मण को भिक्षा माँगते देखा। अर्जुन को उस पर दया आ गयी। उन्होंने उस ब्राह्मण को स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक पोटली दे दी जिसे पाकर वह प्रसन्नतापूर्वक अपने घर लौट चला, किन्तु उसका दुर्भाग्य, राह में एक लुटेरे ने उससे स्वर्ण मुद्राओं से भरी पोटली छीन ली। ब्राह्मण दुखी होकर फिर से भिक्षावृत्ति में लग गया। अगले दिन फिर अर्जुन की दृष्टि जब उस ब्राह्मण पर पड़ी तो उन्होंने उससे इसका कारण पूछा। ब्राह्मण ने सारी बात अर्जुन को बता दी। उसकी व्यथा सुनकर अर्जुन को फिर से उस पर दया आ गयी। इस बार उन्होंने ब्राह्मण को एक मूल्यवान माणिक

दिया। वह उसे लेकर घर पहुँचा। उसके घर में एक पुराना घड़ा था जिसे बहुत समय से उपयोग में नहीं लाया गया था। ब्राह्मण ने उस माणिक को चोरी होने के भय से घड़े में छुपा दिया, किन्तु उसका दुर्भाग्य, दिन भर का थका होने के कारण उसे नींद आ गयी। इस बीच ब्राह्मण की स्त्री नदी में जल लेने चली गयी और उसका पानी से भरा घड़ा मार्ग में ही टूट गया। उसने सोचा कि घर में जो पुराना घड़ा पड़ा है, उसे ले आती हूँ। वह घर लौटी और उस पुराने घड़े को ले कर चली गई, जैसे ही उसने घड़े को नदी में डुबोया, वह माणिक भी जल की धारा के साथ बह गया।

ब्राह्मण को जब यह बात पता चली तो अपने भाग्य को कोसता हुआ वह फिर भिक्षा-वृत्ति में लग गया। अर्जुन और श्री कृष्ण ने जब फिर उसे इस दरिद्र अवस्था में देखा तो जाकर उसका कारण पूछा। सारा वृत्तांत सुनकर अर्जुन को बड़ी हताशा हुई और मन ही मन सोचने लगे कि इस अभागे ब्राह्मण के जीवन में कभी सुख नहीं आ सकता है।

अब श्री कृष्ण ने उस ब्राह्मण को दो पैसे दान में दिए। अर्जुन ने उनसे पूछा "प्रभु मेरी दी मुद्राएँ और माणिक भी इस अभागे की गरीबी नहीं मिटा सके तो इन दो पैसों से इसका क्या होगा ?"

यह सुनकर श्री कृष्ण बस मुस्कुरा दिए और अर्जुन से उस ब्राह्मण के पीछे जाने को कहा। रास्ते में ब्राह्मण सोचता हुआ जा रहा था कि "दो पैसों से तो एक व्यक्ति के लिए भी भोजन नहीं आएगा। प्रभु ने उसे इतना तुच्छ दान क्यों दिया ? प्रभु की यह कैसी लीला है ?"

ऐसा विचार करता हुआ वह जा रहा था कि तभी उसकी दृष्टि एक मछुवारे पर पड़ी, उसने देखा कि मछुवारे के जाल में एक मछली फँसी है और वह छूटने के लिए तड़प रही है। ब्राह्मण को उस मछली पर दया आ गयी। उसने सोचा "इन दो पैसों से पेट की आग तो बुझेगी नहीं, क्यों न इस मछली के प्राण ही बचा लिए जाएँ?" यह सोचकर उसने दो पैसों में उस मछली का सौदा कर लिया और मछली को अपने कमंडल में डाल लिया। कमंडल में जल भरा और मछली को नदी में छोड़ने चल पड़ा। रास्ते में मछली के मुख से कुछ निकला। उस निर्धन ब्राह्मण ने देखा, वह वही माणिक था, जो उसने घड़े में छुपाया था। ब्राह्मण प्रसन्नता के मारे चिल्लाने लगा "मिल गया, मिल गया!

तभी संयोगवश वह लुटेरा भी वहाँ से गुजर रहा था, जिसने ब्राह्मण की मुद्राएँ लूटी थीं। उसने ब्राह्मण को चिल्लाते हुए सुना, "मिल गया, मिल गया।" लुटेरा भयभीत हो गया। उसने सोचा कि ब्राह्मण उसे पहचान गया है, इसीलिए चिल्ला रहा है। अब वह जाकर राज दरबार में उसकी शिकायत करेगा। इससे डरकर वह ब्राह्मण से रोते हुए क्षमा माँगने लगा और उससे लूटी हुई सारी मुद्राएँ भी उसे वापस कर दीं। यह देख अर्जुन प्रभु के आगे नतमस्तक हुए बिना नहीं रह सके। अर्जुन बोले, "प्रभु यह कैसी लीला है ? जो कार्य थैली भर स्वर्ण मुद्राएँ और मूल्यवान माणिक नहीं कर सकें, वह आपके दो पैसों ने कर दिखाया।"

श्री कृष्ण ने कहा, "अर्जुन यह अपनी-अपनी सोच का अंतर है। जब तुमने उस निर्धन को थैली भर स्वर्ण मुद्राएँ और मूल्यवान माणिक दिया, तब उसने मात्र अपने सुख के विषय में सोचा। किन्तु जब मैंने उसे दो पैसे दिए, तब उसने दूसरे के दुःख के विषय में सोचा, इसलिए हे अर्जुन ! सत्य तो यह है कि जब आप दूसरों के दुःख के विषय में सोचते हैं और जब आप दूसरे का भला कर रहे होते हैं, तब आप ईश्वर का कार्य कर रहे होते हैं और तब ईश्वर आपके साथ होते हैं।"

i) अर्जुन ने पहली बार निर्धन ब्राह्मण को क्या दिया ? ब्राह्मण अगले दिन फिर से भिक्षावृत्ति में क्यों लग गया ? [2]

ii) चोरी होने के भय से ब्राह्मण ने क्या और कहाँ छिपा दिया ? उस वस्तु को वह सुरक्षित क्यों नहीं रख पाया ? [2]

iii) श्री कृष्ण ने ब्राह्मण को कितने पैसे दिये ? उसने उन पैसों से क्या किया ? [2]

iv) लुटेरे ने ब्राह्मण की सारी मुद्राएँ क्यों वापस कर दीं ? [2]

v) कहानी में किस कार्य को ईश्वर का कार्य कहा गया है ? [2]

Question 4

Answer the followings according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए : [8]

i) 'मूक' का विलोम बताएँ –

a) बधिर b) गूँगा c) वाचाल d) मौन

ii) 'पुत्री' का पर्यायवाची बताइए –

a) बेटी, तनय, b) तनया, सुता, c) आत्मज, सुत, d) सुता, तनय

iii) 'खेल' का विशेषण बताइए –

a) खिलवाड़ b) खिलाड़ी c) खेलना d) खिलौना

iv) 'कहना' का भाववाचक संज्ञा बताइए –

a) कथन b) कथानक c) कहावत d)कथोपकथन

v) 'उत्तीरन' का शुद्ध रूप बताइए –

a) उत्तीर्न
b) उत्तीर्ण
c) ऊत्तीर्ण
d) ऊत्तीर्न

vi) 'लोहा मानना' मुहावरें का अर्थ बताइए –

a) शक्ति मानना
b) डटकर मुक़ाबला करना
c) अधिक कष्ट देना
d) परास्त करना

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए –

बाग में कोयल कूक रही है। (भूतकाल में बदलिए)

a) बाग में कोयल कूक चुकी है।
b) बाग में कोयल कूकेगी।
c) बाग में कोयल कूक रही थी।
d) बाग में कोयल कूकी होगी।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए –
वह पैदल चल नहीं पाता । (भाव वाच्य में बदलिए)

a) उनसे पैदल नहीं चला जाता ।
b) उससे पैदल चला नहीं जाता ।
c) उससे पैदल चल नहीं होता ।
d) उससे पैदल चलना मुश्किल है।

SECTION B (40 MARKS)

Attempt any four questions.

Question 5

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"यही कारण था कि गाँव की ललनाएँ उनकी निंदक थीं। कोई-कोई तो उन्हें अपना शत्रु समझने में भी संकोच न करती थीं। स्वयं उनकी पत्नी को इस विषय में विरोध था।"

[बड़े घर की बेटी — प्रेमचंद]
[Bade Ghar ki Beti —- Premchand]

i) उन्हें शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
ii) गाँव की ललनाएँ उनकी निंदा क्यों करती थी ? [2]
iii) उनकी पत्नी कौन थी ? इस विषय पर उसके क्या विचार थे ? [3]
iv) इस कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"मेरे कई भाई-बहन हैं, सो भाग आया।"

[अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्र कुमार]
['Apna Apna Bhagya' - Jainendra Kumar]

i) वक्ता कौन है ? वह किसके साथ कहाँ आया था ? [2]
ii) श्रोता को वक्ता ने अपने परिवार के बारे में क्या बताया ? [2]
iii) वक्ता को कहाँ ले जाया गया और क्यों ? उसके साथ वहाँ क्या होता है ? [3]
iv) कहानी में कहानीकार ने किस समस्या को उजागर किया है ? समझाकर लिखिए । [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िन्दगी सब कुछ होम कर देनेवालों पर भी हँसती है …"

[नेता जी का चश्मा — स्वयं प्रकाश]

[Neta Ji ka Chashma — Swam Prakash]

i) बार- बार कौन सोचता रहता था ? उसका परिचय दीजिए। [2]

ii) कैप्टन की मृत्यु के बाद कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब के मन में क्या ख्याल आया ? [2]

iii) 'होम कर देनेवालों' से तात्पर्य स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि कौन, किस पर हँसते हैं और क्यों ? [3]

iv) मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य होते हैं और चौराहे पर नेता जी की मूर्ति स्थापित क्यों की गई थी ? अपने विचार व्यक्त करें। [3]

Question 8

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जसोदा हरि पालने झुलावै।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोइ-सोइ कछु गावै॥
मेरे लाल को आउ निंदरिया, काहे न आनि सुवावै।
तू काहे नहिं बेगहिं आवै, तोको कान्ह बुलावै॥
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन ह्वै कै रहि, करि-करि सैन बतावै॥
इहिं अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरै गावै।
जो सुख 'सूर' अमर मुनि दुरलभ, सो नँद भामिनी पावै॥

[सूर के पद — सूरदास]

['Sur Ke Pad' — Surdas]

i) यशोदा किसे पालने में झुला रही हैं और क्यों ? [2]

ii) वह कृष्ण को सुलाने के लिए क्या-क्या उपाय करती हैं ? [2]

iii) हरि कौन-कौन सी चेष्टाएँ करते हैं और क्यों ? समझाकर लिखिए। [3]

iv) नंद भामिनी देवता तथा मुनियों से अधिक भाग्यशाली कैसे हैं ? [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी,
'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की,
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

[मेघ आए' - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना]

['Megh Aaye' - Saeveshwar Dayal Saksena]

i) मेघ किसके प्रतीक है ? मेघों का स्वागत कैसे होता है ? **[2]**

ii) किसने, किससे क्षमा माँगी और क्यों ? स्पष्ट कीजिए **[2]**

iii) बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके —- पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। **[3]**

iv) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए **[3]**

दामिनी, अश्रु, भरम, मेघ, पाहुन, बरस

Question 10

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता, श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर जिसका सुयश बढ़ाया, जग को दया दिखाई, जग को दीया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी। वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

[वह जन्मभूमि मेरी - सोहनलाल द्विवेदी]

[Wah Janmbhumi Meri — Sohan Lal Diwedi]

i) रघुपति कौन थे ? उनका जन्म किस युग में हुआ था ? **[2]**

ii) शब्दार्थ लिखें – पुनीत, सुयश, दीया, जग। **[2]**

iii) गीता का पवित्र ज्ञान किसे, किसने और क्यों दिया ? **[3]**

iv) बुद्ध ने देश का सुयश कैसे बढ़ाया ? कवि ने देश को स्वर्णभूमि क्यों कहा है ? **[3]**